नमस्ते योजना

संदर्भ

मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई (नमस्ते) सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक पहल है।

प्रमुख बिंदु

- नमस्ते सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (MoSJE) की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो MoSJE और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) की संयुक्त पहल के रूप में है।
- शहरी भारत में सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना और स्थायी आजीविका प्रदान करना और क्षमता निर्माण और सुरक्षा गियर और मशीनों तक बेहतर पहुंच के माध्यम से उनकी व्यावसायिक सुरक्षा को बढ़ाना।
- यह स्वच्छता कार्यकर्ताओं के प्रति नागरिकों के व्यवहार में बदलाव लाएगा और सुरक्षित स्वच्छता सेवाओं की मांग को बढ़ाएगा।

नमस्ते का लक्ष्य निम्नलिखित परिणाम प्राप्त करना है:

- भारत में स्वच्छता कार्य में शून्य मृत्यु सुनिश्चित करना।
- सभी स्वच्छता कार्य कुशल श्रमिकों द्वारा किया जाना चाहिए।
- कोई भी सफाई कर्मचारी मानव मल के सीधे संपर्क में न आता हो।
- स्वच्छता कार्यकर्ताओं के स्वयं सहायता समूह बनाना और उन्हें स्वच्छता उद्यम चलाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सभी सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों (एसएसडब्ल्यू) के पास वैकल्पिक आजीविका की पहुँच सुनिश्चित करना।
- सुरक्षित स्वच्छता कार्य के प्रवर्तन और निगरानी को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य और यूएलबी स्तरों पर पर्यवेक्षी और निगरानी प्रणाली को मजबूत करना।
- पंजीकृत और कुशल स्वच्छता कार्यकर्ताओं से सेवाएं लेने के लिए स्वच्छता सेवा चाहने वालों (व्यक्तियों और संस्थानों) के बीच जागरूकता बढ़ाना।

नमस्ते के इस चरण के तहत पांच सौ शहरों (अमृत शहरों के साथ अभिसरण) को लिया जाएगा।

भारत ने वेनेजुएला से खरीदा पेटकोक

सन्दर्भ

भारतीय कंपनियां पहली बार वेनेजुएला से भारी मात्रा में पेट्रोलियम कोक का आयात कर रही हैं।

प्रमुख बिंदु

- वेनेजुएला के पेटकोक के लिए भारत की बढ़ती मांग - तेल उन्नयन से उपोत्पाद और कोयले का विकल्प - बिजली उद्योगों के लिए सस्ते ईंधन के लिए एक हाथापाई द्वारा संचालित किया जा रहा है क्योंकि वैश्विक कोयले की कीमतों में वृद्धि हुई है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका से पेटकोक पर 5-10% की छूट पर वेनेजुएला के पेटकोक की पेशकश की जा रही है।

पेटकोक के बारे में

- पेट्रोलियम कोक (संक्षिप्त पेटकोक) एक कार्बनयुक्त ठोस ईंधन है जो रिफाइनरी कोकर इकाइयों या अन्य क्रैकिंग प्रक्रियाओं से दिया जाता है।
- इस्तेमाल किए गए पेट्रोलियम फीड स्टॉक के आधार पर, पेटकोक में कार्बन का प्रतिशत 98-99% तक हो सकता है।
- यह 3.0-4.0% के बीच सांद्रता में हाइड्रोजन युक्त कार्बन-आधारित यौगिक बनाता है। कच्चे (या हरे) कोक में 0.1- 0.5% नाइट्रोजन और 0.2- 6.0% सल्फर होता है जो कोक के कैलक्लाइंड होने पर उत्सर्जन बन जाता है।
- एक टन पेटकोक कोयले की तुलना में अधिक महंगा होता है, लेकिन जलाने पर अधिक ऊर्जा पैदा करता है।
- यह आमतौर पर जहरीले उत्सर्जन के कारण ईंधन के रूप में उपयोग नहीं किया जाता है, लेकिन सीमेंट उद्योग द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है , क्योंकि सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन चूना पत्थर द्वारा अवशोषित किया जाता है।

उड़ान योजना

सन्दर्भ

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रीय संपर्क योजना UDAN (उड़े देश का आम नागरिक) ने हाल ही में सफलता के 5 साल पूरे किए हैं।

प्रमुख बिंदु

- हवाई सेवा के माध्यम से छोटे और मध्यम शहरों को बड़े शहरों से जोड़ने का लक्ष्य है।
- मंत्रालय के अनुसार, 2014 में केवल 74 परिचालित हवाईअड्डों से अब तक यह संख्या बढ़कर 141 हो गई है।
- इस योजना के तहत 58 हवाईअड्डे, 8 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम सहित 68 कम सेवा वाले/असेवित गंतव्यों को जोड़ा गया है।
- इसके अलावा, महत्वाकांक्षी योजना ने 425 नए मार्गों की शुरुआत के साथ 29 से अधिक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को हवाई संपर्क प्रदान किया है।
- 4 अगस्त, 2022 तक UDAN योजना से 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को लाभ हुआ है और सरकार अगले चार वर्षों में भारत में नागरिक उड्डयन के माध्यम से 40 करोड़ यात्रियों की उम्मीद कर रही है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

मुस्कान-75 पहल

संदर्भ

हाल ही में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री द्वारा पहल शुरू की गई थी।

प्रमुख बिंदु

• SMILE-75 पहल के तहत, पचहत्तर (75) नगर निगम गैर सरकारी संगठनों और अन्य हितधारकों के सहयोग से पुनर्वास पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए भीख मांगने के कार्य में लगे व्यक्तियों के लिए कई व्यापक कल्याणकारी उपायों को कवर करेंगे जैसे -

चिकित्सा सुविधाओं का प्रावधान, परामर्श,

जागरूकता,

शिक्षा,

कौशल विकास,

आर्थिक संबंध और

अन्य सरकारी कल्याण कार्यक्रमों आदि के साथ अभिसरण।

• पहल का उद्देश्य हमारे शहरों/कस्बों और नगरपालिका क्षेत्रों को भीख-मुक्त बनाना और विभिन्न हितधारकों की समन्वित कार्रवाई के माध्यम से भीख मांगने के कार्य में लगे व्यक्तियों के व्यापक पुनर्वास की रणनीति बनाना है।

नवरोज़ी

सन्दर्भ

नवरोज, जो पारसी नव वर्ष है, इस वर्ष 16 अगस्त 2022 को मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

• यह दिन बसंत की शुरुआत और लोगों और विभिन्न समुदायों के बीच शांति, एकजुटता और दोस्ती को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

• नवरोज फरवारदीन का पहला दिन है, जोरास्ट्रियन कैलेंडर में पहला महीना है, जिसे शहंशाही कैलेंडर भी कहा जाता है।

• पारसी दर्शन के अनुयायियों के लिए, यह दिन उस समय का प्रतिनिधित्व करता है जब ब्रह्मांड में सब कुछ पूरी तरह से नवीनीकृत हो जाता है।

• प्राचीन सासैनियन साम्राज्य के एक सम्राट जमशेद को पारसी कैलेंडर शुरू करने का श्रेय दिया जाता है। इसलिए इस अवकाश को जमशेद-ए-नौरोज़ भी कहा जाता है।

• हालांकि दुनिया भर में, नवरोज 21 मार्च के आसपास वसंत विषुव के समय मनाया जाता है, हालांकि, भारत में पारसी शहंशाही कैलेंडर का पालन करते हैं जो लीप वर्ष को मान्यता नहीं देता है।

• यही कारण है कि भारत में पारसी नव वर्ष दुनिया भर में मनाए जाने के लगभग 200 दिन बाद मनाया जाता है।

पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल)

सन्दर्भ

कैबिनेट ने "पेटेंट कार्यालयों के अलावा, उपयोगकर्ताओं के लिए पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) डेटाबेस की व्यापक पहुंच" को मंजूरी दी है।

टीकेडीएल के बारे में

• पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (TKDL) भारतीय पारंपरिक ज्ञान का एक पूर्व कला डेटाबेस है, जिसे 2001 में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) और भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी विभाग (ISM&H, अब आयुष मंत्रालय) द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित किया गया था।

• टीकेडीएल विश्व स्तर पर अपनी तरह का पहला है और अन्य देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में कार्य कर रहा है।

• टीकेडीएल में वर्तमान में आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और योग जैसे आईएसएम से संबंधित मौजूदा साहित्य की जानकारी है।

• जानकारी को अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, जापानी और स्पेनिश पांच अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डिजीटल प्रारूप में प्रलेखित किया गया है।

• टीकेडीएल दुनिया भर में पेटेंट कार्यालयों में पेटेंट परीक्षकों द्वारा समझने योग्य भाषाओं और प्रारूपों में जानकारी प्रदान करता है, ताकि पेटेंट के गलत अनुदान को रोका जा सके।

• अब तक, संपूर्ण टीकेडीएल डेटाबेस तक पहुंच खोज और जांच के लिए दुनिया भर के 14 पेटेंट कार्यालयों तक सीमित है।

• टीकेडीएल के माध्यम से यह रक्षात्मक संरक्षण भारतीय पारंपरिक ज्ञान को दुरूपयोग से बचाने में प्रभावी रहा है और इसे वैश्विक बेंचमार्क माना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण ख़बरें

नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

सन्दर्भ

एनटीपीसी लिमिटेड, भारत की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी ने 15.08.2022 को एनटीपीसी कवास, गुजरात में 56 मेगावाट कावास सौर पीवी परियोजना की कमीशनिंग के साथ 69454 मेगावाट समूह स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता हासिल की।

प्रमुख बिंदु

- एनटीपीसी अपने मौजूदा स्टेशनों में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के साथ-साथ ग्रीन फील्ड आरई परियोजनाओं को स्थापित करके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके अपने कार्बन पदचिह्न को लगातार कम कर रहा है।
- कंपनी ने अपने विभिन्न स्टेशनों पर 9,50,000 से अधिक पीवी मॉड्यूल स्थापित करके अपने जलाशय क्षेत्र के 1300 एकड़ से अधिक पर 262 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर की योजना बनाई है, जिसमें से 242 मेगावाट चालू किया गया है।
- इनके अलावा, परियोजनाओं से प्रति वर्ष 5 ट्रिलियन लीटर पानी की बचत होगी, जो 15,000 घरों की वार्षिक पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- एनटीपीसी अपने एनर्जी कॉम्पैक्ट लक्ष्यों की घोषणा करने वाली दुनिया की पहली ऊर्जा कंपनी बन गई है। हाल ही में इसने 'शुद्ध शून्य' लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नीति आयोग के साथ सहयोग किया है। एनटीपीसी समूह की 2032 तक 60 गीगावॉट आरई हासिल करने की योजना है।

अल्पावधि कृषि ऋण पर ब्याज सबवेंशन

सन्दर्भ

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सभी वित्तीय संस्थानों के लिए अल्पकालिक कृषि ऋण पर ब्याज सबवेंशन को 1.5% तक बहाल करने को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के लिए अल्पावधि कृषि ऋण देने वाली संस्थाओं (सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, निजी क्षेत्र के बैंक, लघु वित्त बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक, और कम्प्यूटरीकृत PACS को सीधे वाणिज्यिक बैंकों को सौंपे गए) को किसानों को 3 लाख रुपये तक का ऋण 1.5% की ब्याज दर के साथ प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

लाभ

- ब्याज सबवेंशन में वृद्धि से कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की स्थिरता सुनिश्चित होगी और साथ ही वित्तीय स्वास्थ्य और ऋण देने वाली संस्थाओं की व्यवहार्यता सुनिश्चित होगी।
- बैंक फंड की लागत में वृद्धि को वहन करने में सक्षम होंगे और किसानों को अल्पकालिक कृषि आवश्यकताओं के लिए ऋण देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे रोजगार के भी अवसर पैदा होंगे।
- किसान समय पर ऋण चुकाते समय 4% प्रति वर्ष की ब्याज दर पर अल्पकालिक कृषि ऋण प्राप्त करना जारी रखेंगे।

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस)

सन्दर्भ

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ईसीएलजीएस की सीमा 4.5 लाख करोड़ में 50,000 करोड़ रुपये की वृद्धि करके रु. 5 लाख करोड़ करने की मंजूरी दी है।

ईसीएलजीएस के बारे में

- यह योजना मई 2020 में घोषित आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज के हिस्से के रूप में शुरू की गई थी, ताकि कोरोनावायरस-प्रेरित लॉकडाउन के कारण उत्पन्न संकट को कम किया जा सके।
- यह योजना अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों को कवर करती है।
- इसके तहत, सदस्य ऋण देने वाली संस्थाओं (एमएलआई) को उनके द्वारा पात्र उधारकर्ताओं को दी गई ऋण सुविधा के संबंध में 100% गारंटी प्रदान की जाती है।
- योजना 31.03.2023 तक वैध है।

भारतीय ध्वज पृथ्वी से 30 किलोमीटर ऊपर फहराया गया

सन्दर्भ

स्पेस किड्ज इंडिया ने स्वतंत्रता दिवस पर ग्रह से लगभग 30 किलोमीटर ऊपर भारतीय ध्वज फहराया।

प्रमुख बिंदु

- ध्वज को फहराने वाले गुब्बारे पर ग्रह से 1 लाख 6 हजार फीट की ऊंचाई पर भेजा गया था। यह कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव के नारे का हिस्सा था और ऐतिहासिक वर्षगांठ मनाने के लिए प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किए गए हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित किया गया।
- स्पेस किड्ज इंडिया एक ऐसा संगठन है जो 'देश के लिए युवा वैज्ञानिकों का निर्माण करता है और पूरे विश्व के बच्चों में जागरूकता फैलाता है।'
- स्पेस किड्ज इंडिया 12 बैलून उपग्रहों, 2 उप-कक्षीय उपग्रहों और 2 कक्षीय उपग्रहों को प्रक्षेपित करने वाला एकमात्र संगठन है।

निदान पोर्टल

सन्दर्भ

हाल ही में, गिरफ्तार किए गए नार्को अपराधियों पर भारत का पहला पोर्टल विभिन्न केंद्रीय और राज्य अभियोजन एजेंसियों द्वारा उपयोग के लिए चालू हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- निदान (नेशनल इंटीग्रेटेड डेटाबेस ऑन अरेस्ट नार्को-ऑफेंडर्स) नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन मैकेनिज्म (एनसीओआरडी) पोर्टल का हिस्सा है जिसे केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था।
- निदान को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा विकसित किया गया है।
- निदान सभी नशीले पदार्थों के अपराधियों से संबंधित डेटा के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में काम करेगा और जांच एजेंसियों को नशीले पदार्थों के मामलों की जांच करते समय बिंदुओं को जोड़ने के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में मदद करेगा।
- निदान उन आरोपियों के बारे में डेटा होस्ट करता है जिन्हें ड्रग अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया है और जेल में डाला गया है।

महत्व

- यह नशीली दवाओं के अपराधों के खिलाफ काम करने वाली सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाएगा।
- कोई भी एजेंसी देश के किसी भी हिस्से से किसी ड्रग अपराधी के संबंध में अपराध इतिहास, व्यक्तिगत विवरण, उंगलियों के निशान, अदालती मामलों और की गई अपील आदि की खोज कर सकती है।

रोहिंग्या शरणार्थी

सन्दर्भ

हाल ही में मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि रोहिंग्या शरणार्थियों को दिल्ली में घर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनका गृह मंत्रालय ने खंडन किया था।

रोहिंग्या के बारे में

- वे एक जातीय समूह हैं, जो म्यांमार में मुसलमानों के सबसे बड़े प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं और मुख्य रूप से पश्चिमी म्यांमार प्रांत रखाइन में रहते हैं।
- वे आमतौर पर बोली जाने वाली बर्मी भाषा के विपरीत बंगाली की एक बोली बोलते हैं। जातीय रूप से वे म्यांमार के चीन-तिब्बती लोगों की तुलना में भारत और बांग्लादेश के इंडो-आर्यन लोगों के अधिक करीब हैं।
- उन्हें संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा दुनिया में सबसे अधिक सताए गए अल्पसंख्यकों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है।

भारतीय परिदृश्य

- भारत में लगभग 40,000 रोहिंग्या शरणार्थी हैं, जिनमें से 16,500 संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयुक्त के कार्यालय में पंजीकृत हैं।
- वे कई शहरों और राज्यों जम्मू, नई दिल्ली, जयपुर और उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्व में कुछ स्थानों पर फैले हुए हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

CERT-इन

सन्दर्भ

हाल ही में, सीईआरटी-इन ने ज़िम्ब्रा में कमजोरियों की चेतावनी दी, एक सहयोगी सॉफ्टवेयर सूट और एक ईमेल क्लाइंट जो प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं, पथ ट्रैवर्सल और रिमोट कोड निष्पादन में बग के कारण मौजूद है।

सीईआरटी-इन के बारे में:

सीईआरटी-इन कंप्यूटर सुरक्षा घटनाओं के होने पर प्रतिक्रिया देने के लिए राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है।
इसकी स्थापना 2004 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

क्षेत्राधिकार:

यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiTy) के एक कार्यात्मक संगठन के रूप में काम करता है।
सीईआरटी-इन का निर्वाचन क्षेत्र भारतीय साइबर समुदाय है।

कार्य:

यह सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 द्वारा प्रदान किए गए कार्य करता है।
साइबर घटनाओं पर सूचना का संग्रह, विश्लेषण और प्रसार।
साइबर सुरक्षा घटनाओं का पूर्वानुमान और अलर्ट।
साइबर सुरक्षा घटनाओं से निपटने के लिए आपातकालीन उपाय।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com